अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के बालकों की विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ0 अरुण कुमार मिश्र

शोध निर्देशक
असिस्टेन्ट प्रोफेसर
शिक्षक शिक्षा विभाग
नेहरू ग्राम भारती (मानित विश्वविद्यालय), प्रयागराज

रंजना मिश्रा

शोधछात्रा (शिक्षाशास्त्र)
नेहरू ग्राम भारती (मानित विश्वविद्यालय),प्रयागराज

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना है। प्रस्तुत अध्यन की समस्या की प्रकृति के अनुसार अनुसंधान के लिए **''सर्वेक्षण विधि''** का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में जनपद जौनपुर के स्ववित्तपोषित एवं अनुदानित माध्यमिक विद्यालय ही शोध जनसंख्या का निर्माण किया गया है। प्रस्तुत शोध में सरल यादृच्छिक विधि से प्रतिदर्श का चयन किया जायेगा जिसमें 10 स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालय एवं 10 अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के 600 छात्र एवं छात्राओं का चयन किया गया जिसमें से अनुदानित के 112 छात्र–छात्राओं के अशिक्षित अभिभावक पाये गये जबकि स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों में 103 अशिक्षित अभिभावक पाये गये जो अभिभावक हाईस्कूल से कम योग्यता रखते हैं। प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय में उपलब्धि मापने के लिए डॉ0 एल0एन0 दुबे द्वारा निर्मित **''हिन्दी उपलब्द्धि परीक्षण''**, डॉ0 अली इमाम एवं डॉ0 ताहिरा खातून द्वारा निर्मित **''गणित उपलब्धि परीक्षण''**, विज्ञान विषय में उपलब्द्धि मापने के लिए स्वनिर्मित **''विज्ञान उपलब्द्धि परीक्षण''** तथा सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्द्धि मापने के लिए स्वनिर्मित **''सामाजिक विज्ञान उपलब्द्धि परीक्षण''** का प्रयोग किया गया है। आँकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं टी–अनुपात सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया कि– अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय में उपलब्द्धि

स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों से उच्च है। अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की गणित, विज्ञान, सामाजिक विषय में उपलब्धि एवं सम्पूर्ण शैक्षिक उपलब्द्धि स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों के बराबर है।

मुख्य शब्द– अनुदानित, स्ववित्तपोषित, माध्यमिक विद्यालय, अभिभावक, शैक्षिक उपलब्द्धि

भूमिका–

अनौपचारिक अभिकरण मे परिवार का स्थान सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है जहाँ पर बालक माता–पिता से शिक्षा प्राप्त करता है क्योंकि माता–पिता परिवार की धूरी है उन्ही के इर्द गिर्द समपूर्ण परिवार संगठित रहता है प्रेम स्नेह एवं सौहार्द परिवार के आधार है बालक परिवार मे जन्म लेता है वही पर वह उठना बैठना खाना पीना दौडना चलना सभी कुछ सीखता है भाई बहनो से बाते कारना माता पिता अतिथि आदि का आदर करना वह सभी गुण परिवार से सीखता है परिवार मे उसे लेक्चर नही दिया जाता। वहा पर सिद्वान्तों का साक्षात दर्शन होता है अतः बालक के मानसिक पटल पर सीखी गई बाते स्थायी होती है महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय जी कहते है कि मैने बचपन से ही जो कुछ सीखा था वही मेरी शिक्षा है महात्मा गांधी ने अपनी माता से धार्मिक आचरण की सही शिक्षा प्राप्त की थी जगदीश चन्द बसु को अपने महान वैज्ञानिक अन्वेक्षण की सूझ बचपन मे अपनी माता की उक्ति से मिली थी जीजाबाई ने ही शिवाजी मे वीरता की भावना भर दी थी। इसलिए सभी महापुरूषो ने माता पिता का ऋण स्वीकार किया माता को भारतीय साहित्य मे आदि गुरू कहा गया है। पेस्टालाजी फ्रोबेल तथा मान्टेसरी ने घर को शिक्षा का सर्वोत्तम स्थल माना है। पेस्टालाजी के अनुसार घर बच्चे की पहली पाठशाला है फ्रोबेल के मतानुसार माताए और अध्यापिकांए है । मान्टेसरी ने विद्यालय को बचपन का घर कह कर पुकारा है। बालक का स्कूल माता की गोद से प्रारम्भ हो जाता है और परिवार मे ही रहकर शिक्षा ग्रहण करता है। जन्म लेने के बाद बालक का सर्व प्रथम अपने माता–पिता से सम्पर्क होता है।

प्रस्तुत अध्ययन की समस्या माध्यमिक स्तर के विधार्थियो के अशिक्षित अभिभावकों के शैक्षिक उपलब्धि पडने वाले प्रभाव का अध्ययन से संबन्धित है। अभिभावक विद्यार्थियों के जीवन के प्रत्येक क्षेत्र पर अत्यधिक प्रभाव डालता है परिवार के प्रेम और सहानुभूति के वातावरण में दी जाने वाली शिक्षा ही स्वाभाविक और स्थायी होती है माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थी का सामाजिक, आर्थिक राजनैतिक, धार्मिक, चारित्रिक, शारीरिक एवं सांस्कृतिक विकास बहुत तीव्र गति से होता है। विद्यार्थी समाज में जो कुछ भी अच्छा बुरा देखता व सुनता है उसे बहुत आसानी से सीख लेता है।

पूर्व अध्ययनों से ज्ञात होता है कि अभिभावकों की शैक्षणिक क्षमता का विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। **सिंह, परमिन्दर (2016)** के परिणाम छात्रों के घर के परिवेश की विभिन्न श्रेणियों और उनकी गणित विषय में उपलब्धि में महत्त्वपूर्ण सम्बन्ध है। **वर्मा, पूनम जगदीश (2017)** ने अध्ययन के निष्कर्ष में किशोरियों के शैक्षिक उपलब्धि एवं अभिभावक संलग्नता के मध्य उच्च धनात्मक सहसम्बन्ध है **शुक्ला, रजनीश कुमार (2019) के परिणाम** गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि एवं उनके अभिभावकों का उन विद्यालयों के प्रति अभिवृत्ति के मध्य धनात्मक एवं सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया।

अनौपचारिक अभिकरण मे परिवार का स्थान सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि माता–पिता परिवार की धूरी हैं। अभिभावक विद्यार्थियों के जीवन के प्रत्येक क्षेत्र पर अत्यधिक प्रभाव डालता है परिवार के प्रेम और सहानुभूति के वातावरण में दी जाने वाली शिक्षा ही स्वाभाविक और स्थायी होती है। यही कारण है कि अभिभावकों के संलग्नता का विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

उपर्युक्त अध्ययनों के आधार पर कहा जा सकता है कि अभिभावकों के संलग्नता का विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पाया गया। अतः शोधकर्त्री द्वारा यह देखने का प्रयास किया गया कि क्या **अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की विभिन्न विषयों में शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन** किया गया है।

अध्ययन का उद्देश्य–

1. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय में शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
5. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की सम्पूर्ण शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना–

H_{01} अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय में शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

H_{02} अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

H_{03} अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

H_{04} अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

H_{05} अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की सम्पूर्ण शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध–प्रविधि–

प्रस्तुत अध्यन की समस्या की प्रकृति के अनुसार अनुसंधान के लिए ''**सर्वेक्षण विधि**'' का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में जनपद जौनपुर के स्ववित्तपोषित एवं अनुदानित माध्यमिक विद्यालय ही शोध जनसंख्या का निर्माण किया गया है। प्रस्तुत शोध में सरल यादृच्छिक विधि से प्रतिदर्श का चयन किया जायेगा जिसमें 10 स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालय एवं 10 अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के 600 छात्र एवं छात्राओं का चयन किया गया जिसमें से अनुदानित के 112 छात्र–छात्राओं के अशिक्षित अभिभावक पाये गये जबकि स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों में 103 अशिक्षित अभिभावक पाये गये जो अभिभावक हाईस्कूल से कम योग्यता रखते हैं। प्रस्तुत अध्ययन में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय में उपलब्धि मापने के लिए डॉ0 एल0एन0 दुबे द्वारा निर्मित ''**हिन्दी उपलब्धि परीक्षण**'', डॉ0 अली इमाम एवं डॉ0 ताहिरा खातून द्वारा निर्मित ''**गणित उपलब्धि परीक्षण**'', विज्ञान विषय में उपलब्धि मापने के लिए स्वनिर्मित ''**विज्ञान उपलब्धि परीक्षण**'' तथा सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि मापने के लिए स्वनिर्मित ''**सामाजिक विज्ञान उपलब्धि परीक्षण**'' का प्रयोग किया गया है। आँकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन, मानक त्रुटि एवं टी–अनुपात सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

1. **अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय में शैक्षिक उपलब्धि की तुलना–**

$\mathbf{H_{01}}$ अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय में शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 1
हिन्दी विषय में शैक्षिक उपलब्धि

क्रमांक	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमानों का अन्तर	मानक त्रुटि	'टी'–अनुपात
1.	अनुदानित	112	63.51	12.94	6.66	1.94	3.43*
2.	स्ववित्तपोषित	103	56.85	15.34			

*.05 स्तर पर सार्थक

यह परिकल्पित किया गया है कि 'अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय **की उपलब्धि** में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है। **तालिका 4.56** में अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय की उपलब्धि का मध्यमान क्रमशः 63.51 एवं 56.85 है। दोनों समूहों के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय की उपलब्धि में 'टी'–अनुपात= 3.43 है जो मुक्तांश (=213) तथा 0.05 स्तर पर सार्थकता हेतु अपेक्षित मान क्रान्तिक (=1.97) से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत। परिणामतः अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय की उपलब्धि में अन्तर है। अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय में उपलब्धि का मध्यमान स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय में उपलब्धि के मध्यमान से अधिक है।

2. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि की तुलना–

H_{02} अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 2
गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि

क्रमांक	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमानों का अन्तर	मानक त्रुटि	'टी'–अनुपात
1.	अनुदानित	112	58.41	12.36	0.22	1.59	0.14
2.	स्ववित्तपोषित	103	58.63	10.88			

*.05 स्तर पर असार्थक

यह परिकल्पित किया गया है कि 'अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की गणित विषय **की उपलब्धि** में कोई सार्थक अन्तर नहीं

होता है।' **तालिका 4.57** में अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की गणित विषय की उपलब्धि का मध्यमान क्रमशः 58.41 एवं 58.63 है। दोनों समूहों के विद्यार्थियों की गणित विषय की उपलब्धि में 'टी'–अनुपात= 0.14 है जो मुक्तांश (=213) तथा 0.05 स्तर पर सार्थकता हेतु अपेक्षित मान क्रान्तिक (=1.97) से कम है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत। परिणामतः अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की गणित विषय की उपलब्धि में अन्तर नहीं है। अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की गणित विषय में उपलब्धि का मध्यमान स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की गणित विषय में उपलब्धि के मध्यमान के बराबर है।

3. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि की तुलना–

H_{03} अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 3

विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि

क्रमांक	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमानों का अन्तर	मानक त्रुटि	'टी'–अनुपात
1.	अनुदानित	112	61.22	11.58	0.77	1.77	0.44
2.	स्ववित्तपोषित	103	60.45	14.18			

*.05 स्तर पर असार्थक

यह परिकल्पित किया गया है कि 'अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की विज्ञान विषय **की उपलब्धि** में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।' **तालिका 4.58** में अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की विज्ञान विषय की उपलब्धि का मध्यमान क्रमशः 61.22 एवं 60.45 है। दोनों समूहों के विद्यार्थियों की विज्ञान विषय की उपलब्धि में 'टी'–अनुपात= 0.44 है जो मुक्तांश (=213) तथा 0.05 स्तर पर सार्थकता हेतु अपेक्षित मान क्रान्तिक (=1.97) से कम है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत। परिणामतः अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की विज्ञान विषय की उपलब्धि में अन्तर नहीं है। अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की विज्ञान विषय में उपलब्धि का मध्यमान स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की विज्ञान विषय में उपलब्धि के मध्यमान के बराबर है।

4. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि की तुलना–

H_{04} अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 4

सामाजिक विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि

क्रमांक	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमानों का अन्तर	मानक त्रुटि	'टी'–अनुपात
1.	अनुदानित	112	60.03	13.81	1.92	1.89	1.02
2.	स्ववित्तपोषित	103	61.95	13.88			

*.05 स्तर पर असार्थक

यह परिकल्पित किया गया है कि 'अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान **विषय की उपलब्धि** में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।' **तालिका 4.59** में अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय की उपलब्धि का मध्यमान क्रमशः 60.03 एवं 61.95 है। दोनों समूहों के विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय की उपलब्धि में 'टी'–अनुपात= 1.02 है जो मुक्तांश (=213) तथा 0.05 स्तर पर सार्थकता हेतु अपेक्षित मान क्रान्तिक (=1.97) से कम है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत। परिणामतः अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय की उपलब्धि में अन्तर नहीं है। अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि का मध्यमान स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में उपलब्धि के मध्यमान के बराबर है।

5. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की सम्पूर्ण शैक्षिक उपलब्धि की तुलना–

H_{05} अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की सम्पूर्ण शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 5

शैक्षिक उपलब्धि

क्रमांक	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमानों का अन्तर	मानक त्रुटि	'टी'–अनुपात

1.	अनुदानित	112	243.17	23.98	5.29	3.43	1.54
2.	स्ववित्तपोषित	103	237.88	26.16			

*.05 स्तर पर असार्थक

यह परिकल्पित किया गया है कि 'अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।' **तालिका 4.60** में अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान क्रमशः 243.17 एवं 237.88 है। दोनों समूहों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में 'टी'–अनुपात= 1.54 है जो मुक्तांश (=213) तथा 0.05 स्तर पर सार्थकता हेतु अपेक्षित मान क्रान्तिक (=1.97) से कम है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत। परिणामतः अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर नहीं है। अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान के बराबर है।

निष्कर्ष–

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये–

- अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की हिन्दी विषय में उपलब्धि स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों से उच्च है।
- अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों की गणित, विज्ञान, सामाजिक विषय में उपलब्धि एवं सम्पूर्ण शैक्षिक उपलब्धि स्ववित्तपोषित माध्यमिक विद्यालयों के अशिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों के बराबर है।

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ–सूची</u> :–

- अमाजू एवं ओकोरो (2015). सोशल स्टेट्स ऑफ पैरेन्ट एण्ड स्टूडेन्ट्स ऐकेडमिक परफॉरमेन्स इन आबा एजुकेशन जोन, अबिया स्टेट, *एडवांसड इन रिसर्च*, 3(2), 189–197
- ओमन, निम्मी मारिया (2015). होम इनवायरमेण्ट एण्ड एकेडेमिक एचिवमेण्ट ऑफ स्टूडेन्ट्स एट हायर सेकेण्डरी लेवल, *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ करेण्ट रिसर्च*, 7(07), पृ0 18745–18747
- ओगुनशोला, फेमी एवं अदेवाले (2012). द इफेक्ट ऑफ पैरेन्टल सोशियो–इकोनॉमिक स्टेट्स ऑन एकेडमिक परफार्मेन्स ऑफ स्टूडेन्ट्स इन सेलेक्ट स्कूल्स इन इदु लगा ऑफ कवारा स्टेट नाइजीरिया, *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ एकेडमिक रिसर्च इन बिजनेश एण्ड सोशल साइंस*, वॉल्यूम–2, नं0 7, पृ0 230–239
- इला, आर0ई0; ओडोक, ए0ओ0 एवं इला, जी0ई0 (2015), इनफ्लुएन्स ऑफ फैमिली साइज एण्ड फैमिली टाइप ऑन एकेडेमिक परफार्मेन्स ऑफ स्टूडेन्ट्स इन गवर्नमेन्ट इन कैलावर

म्यूनिस्पिलटी, क्रास रीवर स्टेट, नाइजीरिया, *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमनटीज, सोशल साइंस एण्ड एजूकेशन,* 2(4), पृ0 108–114

- कक्कड़, निधि (2016). ए स्ट्डी ऑफ एकेडेमिक एचिवमेण्ट इन रिलेशन टू होम इनवायरमेण्ट ऑफ सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स, *स्कूलर्ली रिसर्च जर्नल फॉर ह्यूमिनिटी, साइंस एण्ड इंग्लिश लैंग्वेज,* 3(15), पृ0 3247–3253
- केन, पामेला ई. डेविस (2005). द इन्फ्लूएन्स ऑफ पैरेन्ट एजूकेशन एण्ड फैमिली इन्कम ऑन चाइल्ड एचिवमेन्ट : द इन्डाइरेक्ट रोल ऑफ पैरेन्टल एक्सपेटेशन्स एण्ड द होम इन्वायर्मेन्ट, *जर्नल ऑफ फैमिली साइकोलॉजी, द अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन,* वाल्यूम–19, नं0 2, पृ0 294–304
- देशवाल, वाई0एस0; रेखारानी एवं अहलावत, सविता (2014). इम्पैक्ट ऑफ होम इनवायरमेण्ट ऑन एकेडेमिक एचिवमेण्ट ऑफ एडोलेसेन्ट स्टूडेन्ट्स इन रिलेशन टू देयर लोकल्टी एण्ड टाइप ऑफ स्कूल, *इण्डियन इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एजूकेशन एण्ड रिसर्च,* 1(3), पृ0 42–49
- बसंल, एस0; थंड, एस0के0 एवं जसवाल, एस0 (2006). रिलेशनशिप बिटविन क्वालिटी ऑफ होम इनवायरमेण्ट, लोकस ऑफ कण्ट्रोल एण्ड एचिवमेण्ट मोटिवेशन एमंग हाई एचिवर अर्बन फीमेल एडोलेसेन्ट्स, *J. Hum. Ecal.* 19(4), पृ0 253–257
- भारती, ऋषिराज (2011). सरकारी एवंम् गैर सरकारी विद्यालयों में कक्षा–9 के विद्यार्थियों का विज्ञान के प्रति उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय कोटवा–जमुनीपुर दुबावल, इलाहाबाद
- मोहम्मद–अल–मटालका एवं फैजल, इब्राहिम (2014). द इन्फ्लूऐन्स ऑफ पैरेन्टल सोशियो–इकोनॉमिक स्टेट्स ऑफ देयर इन्वालमेन्ट एट होम, पी–एच.डी., समाजशास्त्र विभाग, *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमिनिटिज एण्ड सोशल साइंस,* वाल्यूम–4, नं0 5, मार्च 2014
- वर्मा, पूनम जगदीश (2017). इफेक्ट ऑफ फैमिली क्लाइमेट एण्ड पैरेन्टल इन्क्रेजमेण्ट ऑफ ऐकेडमिक एचिवमेण्ट ऑफ स्कूल गोइंग एडोवलेन्ट्स, द *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ इण्डियन साइकोलॉजी,* वॉल्यूम–4, इश्शू–4, पृ0 5–17
- सिंह, परमिन्दर (2016). स्टडी ऑफ एकेडेमिक एचिवमेण्ट इन रिलेशन विथ स्ट्डी हैबिट्स एण्ड होम इनवायरमेण्ट, *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव साइंस, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी,* 3(1), पृ0 107–118